



अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

गुरुवार 02 जून 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुगत गति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

सोनिया-राहुल गांधी से होंगे सवाल

सोनिया-राहुल को ईडी का नोटिस: नेशनल हेराल्ड केस में पूछताछ के लिए राहुल को आज बुलाया, उन्होंने वक्त मांगा, सोनिया 8 को जाएंगी



क्या है पूरा मामला....

नई दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी को समन भेजा। एऊने मनी लॉन्ड्रिंग केस (अंडर सेक्शन 50 एक्ट) में राहुल गांधी को 2 जून यानी आज और सोनिया गांधी को 8 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक राहुल ने बाहर होने का हवाला देकर अभी वक्त मांगा है, जबकि सोनिया 8 जून को पूछताछ में शामिल होंगी। एजेंसी ने नेशनल हेराल्ड केस की जांच में दोनों नेताओं को शामिल होने को कहा है। इस केस में ईडी ने कांग्रेस के 2 बड़े नेता पवन बंसल वह

मल्लिकार्जुन खड़गे को बीते 12 अप्रैल को जांच में शामिल किया था। 2014 में सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया और राहुल के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसमें स्वामी ने गांधी परिवार पर 55 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप लगाया था। **कांग्रेस का केंद्र सरकार पर हमला:** कांग्रेस ने नोटिस जारी होने पर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि तानाशाह सरकार डर गई है, इसलिए बदले की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बदले की भावना में अंधी हो गई है। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया और राहुल को ईडी का समन भेजा है। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मनगढ़ंत आरोप है और प्रतिशोध की भावना है। इस केस में ईडी को कुछ नहीं मिलेगा। राहुल गांधी बाहर हैं, उनके लिए समय मांगेंगे। **सिंघवी की 5 बातें...** यह केस पिछले 7-8 सालों से चल रहा है और इसमें अब तक एजेंसी को कुछ नहीं मिला है। कंपनी को मजबूत करने के लिए और ऋण खत्म करने की वजह से इक्विटी में परिवर्तन किया गया। इस इक्विटी से जो पैसा आया, वो

मजदूरों को दिया गया और इसे पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया। 7 साल बाद लोगों का ध्यान मोड़ने के लिए यह समन भेजा गया है। देश की जनता सब कुछ समझती है। ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स का दुरुपयोग कर विपक्षी पार्टियों को डराया जा रहा है। सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने पार्टी फंड से राहुल और सोनिया को 90 करोड़ रुपये दिए थे। इसका मकदस एसोसिएट जर्नल्स की 2 हजार करोड़ की संपत्ति हासिल करना था। इसके लिए गांधी परिवार ने महज 50 लाख रुपये की मामूली रकम दी थी। **भोपाल में भाजपा अध्यक्ष नड्डा का सोनिया-राहुल पर तंज:** भोपाल में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोनिया-राहुल को ईडी के नोटिस पर कहा- चेहरा गड़बड़ है और वे आईना साफ कर रहे हैं। कभी आपने देखा कि कोई मुजरिम बोले कि मैं बेईमान हूँ। राहुल गांधी न तो ईडियन, न नेशनल, न कांग्रेस के रह गए हैं। कांग्रेस तो भाई-बहन की पार्टी है। वह तो लंदन जाकर बोलते हैं।

अयोध्या: सीएम योगी ने रस्वी गर्भगृह की पहली शिला

अयोध्या में उत्सव जैसा माहौल: राम मंदिर होगा देश का राष्ट्र मंदिर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अयोध्या: अयोध्या में उत्सव जैसा माहौल है। राम भक्त उत्साहित हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज राम मंदिर के गर्भगृह का शिलान्यास कर दिया है। इससे पहले सीएम योगी ने निर्माणधीन राम मंदिर के गर्भगृह का शिला पूजन किया। मंत्रोच्चारण के साथ आधारशिला रखी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामजन्मभूमि के परिसर में प्रवेश किया और सबसे पहले रामलला की आरती उतारी। इसके बाद सीएम योगी निर्माणधीन गर्भगृह पर वैदिक आचार्यों द्वारा किए जा रहे अनुष्ठान में शामिल हुए। सीएम योगी ने श्रीराम लला के भव्य घर के निर्माण में लगने वाली पहली नक्काशीदार शिला को विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के बाद स्थापित किया। बता दें इससे पहले पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया था। योगी



आदित्यनाथ द्वारा राम मंदिर का पहला पिलर स्थापित करते ही वहां पर बैठे लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाने शुरू कर दिए। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सतों-महतों ने कहा

दास कहते हैं कि जिस तरह से भगवान राम अयोध्या छोड़ कर 14 वर्ष के लिए वनवास चले गए थे और अयोध्यावासी उदास थे उनके लौटने के बाद जिस तरह की खुशी अयोध्यावासियों में दिखी थी, कुछ इस तरह की खुशी आज लोगों में दिख रही है। इस दौरान सीएम योगी ने राम मंदिर निर्माण कार्य में लगे इंजीनियरों को सम्मानित भी किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोयं और अयोध्या में 500 साल की तदुपम जलदूर होगी: शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दो साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभारंभ किया। हमें गर्भगृहके शिला पूजन का शोभाय मिली। जल्द ही भव्य राम मंदिर बनकर तैयार होगा। अब राम मंदिर का निर्माण तेजी से होगा। गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियां इस काम में लगी थीं।

विमान ईंधन के दाम में 1.3 फीसदी की कटौती

नई दिल्ली: रूस-यूक्रेन जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी के बीच कमर्शियल गैस के बाद विमान ईंधन सरता हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के दाम में 1.3 फीसदी की कटौती की है। इसके बाद दिल्ली में एटीएफ का भाव 1,563.97 रुपये घटकर 1,21,475.74 रुपये प्रति किलो लीटर हो गया है। एटीएफ की नई दरें बुधवार, एक जून 2022 से लागू हो गई है। इंडियन ऑयल के मुताबिक हवाई ईंधन के भाव में 1.3 फीसदी कटौती के बाद दिल्ली में इसकी

कीमत घटकर 1.21 लाख रुपये प्रति किलो लीटर हो गया है। कोलकाता में इसका भाव 1.27 लाख, मुंबई में 1.20 लाख और चेन्नई में 1.26 लाख रुपये प्रति किलो लीटर है। इसके पहले एटीएफ की कीमतों में लगातार 10 बार बढ़ोतरी हुई थी, जबकि पिछली बार 16 मई को एटीएफ के दाम 5.29 फीसदी बढ़ाए गए थे। दरअसल, रूस-यूक्रेन जंग छिड़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी रुपये के कमजोर होने से पेट्रोलियम आयात महंगा हो गया है।

मुंबई में फरवरी के बाद पहली बार सबसे ज्यादा मरीज मिले, पॉजिटिविटी रेट 6% तक पहुंचा

रहें सावधान: महाराष्ट्र को फिर डरा रहा कोरोना

मुंबई: मुंबई में कोरोना की रफतार फिर बढ़ गई है। पिछले 24 घंटों में मुंबई में 506 नए कोविड मरीज मिले हैं। जो इस साल 6 फरवरी (536 मामले) के बाद सबसे अधिक संख्या है। शहर में टेस्ट के दौरान पॉजिटिविटी रेट 6% तक पहुंच गया है। मुंबई में अप्रैल में आए केस की तुलना में मई में कोविड मरीजों की संख्या में 100% से अधिक की बढ़ोतरी देखी गई है। देश में 2,745 नए मामले: देश में



पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2,745 नए मामले सामने आए हैं। 6 मरीजों की मौत हो गई। देश में कुल कोविड-19 मामलों की संख्या 4 करोड़ 31 लाख 60 हजार के पार हो गई। कुल एक्टिव केस बढ़कर 17 हजार 800 हो गए। पिछले 24 घंटों में वहीं, 2, 236 कोरोना से ठीक हो गए और 6 लोगों की मौत हुई है जिसके बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 5 लाख 24 हजार 600 हो गई। फिलहाल संक्रमण दर 0.04% है, जबकि

'मेक इन इंडिया' के तहत भारत में ही बनाये जाएंगे 57 एमएमआरसीए लड़ाकू विमान वायु सेना अब 144 के बजाय 57 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट खरीदेगी

नई दिल्ली: वायु सेना ने अपनी जरूरतों के लिहाज से लड़ाकू विमानों को खरीदने की योजनाओं में बदलाव करके आधा कर दिया है। अब वायु सेना ने 144 के बजाय 57 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमएमआरसीए) खरीदने का फैसला लिया है। इस कटौती का मुख्य कारण 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत रक्षा आयात कम करने और घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देना है। वायु सेना के लिए 57 एमएमआरसीए लड़ाकू विमान 'मेक इन इंडिया' के तहत भारत में ही बनाये जाएंगे। दरअसल, भारतीय वायुसेना ने 2007 में ही अपने लड़ाकू बेड़े में 126 मीडियम मल्टी रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एमएमआरसीए) की कमी होने की



जानकारी देकर रक्षा मंत्रालय के सामने खरीद का प्रस्ताव रखा था। इस पर फ्रांसीसी कंपनी दसॉल्ट एविएशन से 126 राफेल फाइटर जेट का सौदा किया जा रहा था। बाद में यह प्रक्रिया रुक करके नए सिरे से सिर्फ 36 राफेल विमानों का सौदा किया गया। इस तरह

126 के बजाय 36 विमानों का सौदा होने से वायुसेना के बेड़े में 90 विमानों की कमी बरकरार रही। इस बीच भारतीय वायुसेना के लिए 83 लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस एमके-1ए की डील पिछले साल एयरो इंडिया के दौरान पूरी की गई। वायु सेना ने राफेल और तेजस खरीदने के बाद 1.3 लाख करोड़ से 114 और लड़ाकू एमएमआरसीए खरीदने का प्रस्ताव सरकार के सामने रखा। दुनियाभर की कई बड़ी रक्षा कंपनियों ने इस सौदे के लिए दिलचस्पी भी दिखाई, जिनमें अमेरिका, फ्रांस, रूस और स्वीडन की कंपनियां शामिल हैं।

रूस से तेल नहीं खरीदेंगे यूरोपीय देश

ब्रसेल्स। यूक्रेन पर रूस के हमले के तीन महीने से अधिक बीत जाने के बाद यूरोपीय देशों ने रूस से तेल खरीदने का फैसला किया है। यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच इस वर्ष के अंत तक रूस से तेल के आयात में 90 प्रतिशत तक कटौती करने का समझौता हुआ है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से यूरोपीय यूनियन से जुड़े देश रूस पर तामा पाबंदियां लगाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। यूरोपीय देशों की तमाम कोशिशों के बावजूद रूस पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। अब यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच रूस से कच्चे तेल के



आयात पर रोक के लिए हुए समझौते को इस समूह की रूस पर दबाव बनाने की कामयाब रणनीति माना जा रहा है। यूरोपीय यूनियन के देशों के बीच सहमति बनी है कि इस साल के अंत तक वे रूस से तेल के आयात में 90 फीसदी तक कटौती करेंगे।



नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर सरकार को राहत देने वाली खबर है। चालू वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के दूसरे माह मई में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह 1,40,885 करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, यह पिछले महीने की तुलना में 16.6 फीसदी कम है लेकिन एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में यह 44 फीसदी ज्यादा है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। वित्त मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक मई, 2022 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,40,885 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले दो महीने के जीएसटी संग्रह से कम है। अप्रैल महीने में जीएसटी संग्रह 1.68 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था, जबकि उसके पहले मार्च, 2022 में जीएसटी का संग्रह 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा था। यह चौथा मौका है, जब

मासिक जीएसटी संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक मई, 2022 के कुल 1,40,885 करोड़ रुपये के जीएसटी संग्रह में केन्द्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का हिस्सा 25,036 करोड़ रुपये रहा है। राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) संग्रह 32,001 करोड़ रुपये रहा जबकि एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) संग्रह 73,345 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा 10,502 करोड़ रुपये का उपकर भी जुटाया गया है। मंत्रालय के मुताबिक अप्रैल में कुल 7.4 करोड़ ई-वे बिल निकाले गए, जो मार्च के 7.7 करोड़ ई-वे बिल से करीब चार फीसदी कम है। उल्लेखनीय है कि मई, 2022 के लिए जीएसटी राजस्व संग्रह मई, 2021 की तुलना में 44 फीसदी बढ़ गया, जबकि एक साल पहले के समान महीने में जीएसटी संग्रह 97,821 करोड़ रुपये रहा था।

अनुदान राशि को अपशिष्ट प्रबन्धन के लिये किया जाये: सीडीओ

सीडीओ ने दो दिवसीय ओडोडीओएफओ प्लस प्रशिक्षण कार्यशाला का किया शुभारम्भ



ओडोडीओएफओ प्लस प्रशिक्षण कार्यशाला में बोलती सीडीओ ईशा प्रिया।

अखंड भारत संदेश
प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी के सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के अन्तर्गत ओडोडीओएफओ प्लस प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ किया। कार्यशाला में उप निदेशक पंचायत प्रयागराज मण्डल प्रयागराज, जिला पंचायत राज अधिकारी रवि शंकर द्विवेदी सहित 9 ब्लाकों क्रमशः रामपुर संग्रामगढ़, बिहार, लालगंज, लक्ष्मणपुर, सदर, मंगरौरा, मानधता, गौरा एवं आसपुर देवसरा के सहायक विकास अधिकारी (प०), समस्त खण्ड प्रेरक, ग्राम के सचिव, प्रधान एवं राजमिस्त्री शामिल हुए।

कार्यशाला मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि ग्राम पंचायत की जनसंख्या के आधार पर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत वित्त 15वें वित्त आयोग के वार्षिक टाईड अनुदान राशि का 30 प्रतिशत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के लिये लिया जायेगा। राजस्व ग्राम का भौगोलिक, पारिवारिक, संस्थागत एवं संसाधन विवरण की सामान्य जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर, संस्था स्तर, ग्राम स्तर, पंचायत स्तर व विकास खण्ड/जनपद स्तर पर कचरा प्रबन्धन का निस्तारण किया जाये। प्रशिक्षण में जिला पंचायत राज अधिकारी रवि शंकर

द्विवेदी ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु नियोजित गतिविधियों का मद्दवार वित्तीय विवरण, तरल अपशिष्ट (पे वाटर) प्रबन्धन सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने

कहा कि ग्राम स्वच्छता प्लान की नियोजित गतिविधियों को ग्राम पंचायत विकास योजना में अनिवार्य रूप से सम्मिलित कराया जाये। तैयार ग्राम स्वच्छता प्लान ग्राम पंचायत विकास योजना का ही पार्ट होगा एवं ग्राम पंचायत विकास योजना की स्वीकृति की निर्धारित प्रक्रिया यथा ग्रामसभा का अनुमोदन एवं ई-ग्राम स्वराज के पोर्टल पर फीडिंग कराया जाना अनिवार्य है। अन्त में मुख्य विकास अधिकारी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे समस्त सहायक विकास अधिकारी (प०), समस्त खण्ड प्रेरक, ग्राम के सचिव, प्रधान एवं राजमिस्त्री से कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत प्रशिक्षण में दी गयी जानकारी के तहत समस्त कार्यवाहियां समयबद्धता के साथ समन्वय करायें और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं शिथिलता कदापि न बरती जाए।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों में जुटे पदाधिकारी

योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ



योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में योग करते राज्य प्रभारी दुर्गेश योगी।

अखंड भारत संदेश
प्रतापगढ़। शहर के भंगवा चुंगी स्थित संस्कार गार्डन में आज पंतजलि योग समिति द्वारा 25 दिवसीय सह-योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। सबसे पहले मंत्रोच्चारण के साथ पंतजलि योग समिति के राज्य प्रभारी दुर्गेश योगी ने द्वीप प्रवृत्त कर कार्यक्रम की शुरुवात की।

अपने उद्बोधन में उन्होंने आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को निर्देशित किया। प्रशिक्षण के प्रथम

दिवस में आज प्रशिक्षार्थियों को व्यायाम के दौरान योगिक जाँगिंग के 12 अभ्यास, योगासन में दंडासन, वक्रासन, शशकासन, गोमुखासन, पैरों के सूक्ष्म व्यायाम एवं प्राणायाम में भस्त्रिका, कपालभाति व सिंहासन, हस्त्यासन का अभ्यास कराया गया। आसनों में योगिक जाँगिंग का अभ्यास योग प्रचारक रहें नंदलाल योगी जी ने, योगासनों का अभ्यास जुबां योगा कक्षा की संचालिका योग शिक्षिका अनु पंजवानी ने, पैरों के सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास महि ला पंतजलि की जिला प्रभारी अनुपमा

जी ने, प्राणायाम का अभ्यास दुर्गेश योगी ने एवं सिंहासन व हस्त्यासन का अभ्यास पंतजलि योग समिति के जिला प्रभारी गोविन्द ने कराया। कार्यक्रम में इस दौरान भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी श्याम नारायण, किसान प्रभारी कमलेश बहादुर, युवा प्रभारी धर्मेन्द्र प्रताप दीपक, सदर तहसील से युवा प्रभारी सुरेश, कोषाध्यक्ष धीरेंद्र नारायण, तहसील सदर से भारत स्वाभिमान प्रभारी यजुवेंद्र, कुशल योग शिक्षक देवाशीष सहित अन्य पदाधिकारी व योग शिक्षकगण उपस्थित रहे।

परियावां बस्ती में बिजली की लो वोल्टेज से परेशान उपभोक्ता

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विद्युत फीडर जनवामु से जुड़े परियावां बस्ती में बिजली की लो वोल्टेज की समस्या से उपभोक्ता भोषण गर्मी में पसीने पसीने हो रहे हैं जिसके चलते उपभोक्ताओं में विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आक्रोशित उपभोक्ताओं ने बताया कि हम लोग कनेक्शन चेक करे तो बिजली की चोरी का बहुत बड़ा पदार्फाशा हो सकता है और बिजली की लो वोल्टेज की समस्या से परियावां के उपभोक्ताओं की निजात मिल सकता है।

मालूम हो कि इन दिनों बिजली विभाग द्वारा पुराने जंजर तार व लोहे के खम्भे से बिजली सप्लाई बन्द करने के लिए सीमेंट के खम्भे जगह जगह खड़ा करवा दिया है जिस पर जल्द ही बिजली की चार फेस की मोटी केबिल दौड़ा कर प्रत्येक खम्भे पर से उपभोक्ताओं को बिजली देने की तैयारी कर रही है जो जल्द ही शुरू हो जाएगा। खुले बिजली की तार की जगह बन्द बिजली की केबिल लग जाने से उपभोक्ताओं को बिजली की फाल्ट व लो वोल्टेज जैसी समस्या से छुटकारा मिल जाएगा और बिजली की चोरी पर लगाम लग जायेगा।

चोरी से बिजली जलाकर मौज कर रहे हैं उनको बिल से कोई लेना देना नहीं है और जो लोग बिजली का बिल दे रहे हैं उनको नहीं बोल्टेज नहीं मिल रहा है। यदि बिजली विभाग की विजलेंस टीम आकर लोगों का कनेक्शन चेक करे तो बिजली की चोरी का बहुत बड़ा पदार्फाशा हो सकता है और बिजली की लो वोल्टेज की समस्या से परियावां के उपभोक्ताओं की निजात मिल सकता है।

सड़क हादसे में शिक्षक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम



शिक्षक की मौत पर रोते-बिलखते परिजन

आंगनबाड़ी केन्द्र में सिलेण्डर फटा, शिक्षक की मौत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र के भवानीगढ़ स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र में खाना बनाने समय बुधवार को गैस सिलेण्डर फटा जाने से एक निजी स्कूल के शिक्षक की मौत हो गई और उसका भाई समेत तीन लोग घायल हो गये। आंगनबाड़ी केन्द्र भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। शिक्षक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। घटना के बारे में बताया जाता है कि रानीगंज क्षेत्र के सराय सुल्तानी गांव निवासी लाल बहादुर यादव अपने शिक्षक भाई अखिलेश यादव के साथ मोटरसाइकिल से अपने रिश्तेदार के घर बेहदौलखुर्द जा रहे थे। रास्ते में सड़क के किनारे बने आंगनबाड़ी केन्द्र में रसोई में खाना बनाने समय सिलेण्डर ब्लास्ट हो गया जिससे शिक्षक लाल बहादुर यादव के सिर में सिलेण्डर का टुकड़ा लगने से उसकी दुखद मृत्यु हो गई। उसका भाई अखिलेश यादव जो सरकारी स्कूल में शिक्षक है, बुरी तरह से घायल हो गला।

बच्चे की दवा लाने के लिए दोनों एक बाइक पर सवार होकर पट्टी बाजार जा रहे थे। जैसे ही दोनों तरदाह मोड़ के पास पहुंचे पट्टी की तरफ से तेज रफ्तार से जा रही है वैगनार ने दोनों को टक्कर मार दिया जिससे दोनों सड़क पर गिर गए। निखिल सिर में गंभीर चोटें आई

जिससे खून बहने लगा तो वहीं अखिल के हाथ पर तथा सिर में गंभीर चोट आई मौजूद लोगों ने दोनों को एंबुलेंस बुलाकर पट्टी नगर स्थित सेठ पन्नालाल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लगे जहाँ पर डॉक्टरों ने दोनों की गंभीरता को देखते हुए जिला मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़

भक्ति की निर्मलता भी प्रभु के सानिध्य का सुमंगल: अभयानंद

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। भगवान के प्रति निर्मल भाव की श्रद्धा तथा समर्पण प्राणी के जीवन को सुमंगल से भर दिया करता है। मनुष्य संदेव अपने कर्म के अनुसार फल का उत्तरदायी हुआ करता है। उसे संदेव श्रेष्ठ कर्म के मार्ग पर चलते हुए प्रभु की भक्ति प्राप्त करने का पवित्र ध्येय रखना चाहिए। उक्त सुविचार महामण्डलेश्वर स्वामी आचार्य अभयानंद सरस्वती महाराज ने अपने श्रौच से प्रकट किये। संस्थान के सभागार में हो रही श्रीराम कथा में महामण्डलेश्वर ने कहा कि दुखाकार प्रवृत्ति से भगवताकार प्रवृत्ति ही मनुष्य को लोभ तथा भय व दुराचरण से मुक्ति दिला सकती

श्रीराम कथा में कर्म की श्रेष्ठता पर डाला प्रकाश



श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का मर्म समझाने स्वामी अभयानंद।

जो ने कहा कि रामचरित मानस में मानस गीता के ज्ञान का शाश्वत संदेश यही है कि मनुष्य को स्वयं अपने कर्म के अनुसार फल की अपेक्षा रखनी चाहिये। उन्होंने कहा कि हमारे वेदान्त तथा दर्शन संदेव यह सिखलाते रहते हैं कि कोई भी मनुष्य न तो दूसरे को दुःख देने का कारक है और न ही वह दूसरे के सुख का उत्तरदायी हुआ करता है। प्रत्येक मनुष्य अपने लिए कई जन्मों के पुण्य के प्रतिफल में धरा पर पहुंचकर अपने सुख और वैभव के लिए ही जीवन व्यतीत किया करता है। उन्होंने कहा कि विषाद जब प्रभु के लिए निर्मलता में होता है तो वह प्रसाद बन जाता है और यही विषाद जब

अपने दुःख के लिए हुआ करता है तो वह जीवन में अवसाद बन जाता करता है। आध्यात्मिक कथा का संचालन आलोक ने किया। कथा का संयोजन हार्डकोर्ट अवध बार एसोशिएशन के पूर्व महामंत्री पं. रामसेवक त्रिपाठी व प्रदेश के पूर्व गृह सचिव रमेशचंद्र मिश्र ने किया। कथाश्रवण में ऑल इण्डिया रूरल बार एसोशिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जानप्रकाश शुक्ल व संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश मौजूद रहे। कथा के पूर्व अरविंद कुमार मिश्र, प्रणव अग्निहोत्री, केके शुक्ल, डा. आलोक द्विवेदी, राजकुमार द्विवेदी, प्यारमोहन चैबे ने व्यासपीठ का पूजन किया। इस मौके पर विपिन शुक्ल, संतोष पाण्डेय, सरला त्रिपाठी आदि रहे।

आज से होगा निःशुल्क खाद्यान्न का होगा वितरण

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया है कि माह मई 2022 के साप्ताहिक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत अन्वयोदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 02 जून से 10 जून के बीच निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण ई-पास मशीन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा किया जायेगा। इस अवधि में अन्वयोदय कार्डधारकों को प्रतिकार्ड 20 किग्रा0 गेहूं व 15 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारक को प्रति रूनिट 03 किग्रा0 गेहूं व 02 किग्रा0 चावल निःशुल्क वितरित किया जायेगा।

ट्रेन में लोड स्कूटी का पता नहीं, यात्री ने शिकायत की

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पंजाब मेल ट्रेन में लोड की गई स्कूटी प्रतापगढ़ स्टेशन पर नहीं उतरी। गायब होने की आशंका से यात्री ने स्टेशन अधीक्षक से इसकी शिकायत की है। उसने स्कूटी का पता लगाने की मांग की है। जय सिंह नाम के यात्री ने स्टेशन अधीक्षक को फोन किया उसने बताया कि 27 मई को उसने जालंधर से अपनी स्कूटी पंजाब मेल ट्रेन में बुक

कराई थी, जिसको प्रतापगढ़ उतरना था। बुधवार को उसने पार्सल दफ्तर में इसके बारे में पूछा। स्टाफ ने स्कूटी के बारे में अनभिज्ञता व्यक्त की। ट्रेन तो आई लेकिन स्कूटी नहीं आई। कहीं किसी ने रास्ते में न उतार ली हो। चोरी की आशंका से परेशान यात्री ने एसएस से इसकी शिकायत की है। बता दें कि इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। पार्सल स्टाफ की भी

गलती होती है। पैसा नहीं पाते तो इस तरह के पार्सल को ट्रेन से नहीं उतारते हैं। बाद में वह कैरी ओवर होकर ट्रेन में ही इधर से उधर घूमता रहता है। उनकी लापरवाही का नतीजा यात्रियों को भुगतना पड़ता है। अधिकारियों को इस तरह के मामले की पड़ताल करनी चाहिए। जो भी दोषी हो उसके खिलाफ कार्रवाई करे। जिससे यात्रियों को परेशान न होना पड़े।

घर में घुसकर मारपीट, आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट तथा गालीगलौज व तोड़फोड़ को लेकर सात आरोपियों के खिलाफ बलवा तथा तोड़फोड़ व मारपीट एवं धमकी समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। कोतवाली के बहुरं चरा निवासी रामकृपाल उपाध्याय ने दी गई तहरीर में कहा है कि बीती उन्तीस मई को गांव के नवीन सिंह, पिंटू सिंह पुत्र शिव प्रताप, सूरज सिंह, राम बहादुर सिंह, रवीन्द्र सिंह, सुमित सिंह, अमित सिंह, ने कुल्हाड़ी तथा चाकू व लाठी डंडे से लैस होकर हमला बोल दिया। आरोपियों ने घर के अंदर घुसकर पीड़ित व परिवार के सदस्यों को मारापीटा। विरोध करने पर आरोपियों ने घर में रखी चारपाई व कुर्सी आदि तोड़कर नष्ट कर दिया। आरोपी गालीगलौज करते हुए घंटो घर

के भीतर बवेला करते रहे। शोर मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मंगलवार की रात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कोतवाली के पूरे डेमी निवासी राजनारायण की पत्नी प्रतिभा ने दी गई तहरीर में कहा है कि बीती तीस मई की रात अज्ञात चोर उसके घर में घुस आये। परिवार के सदस्य सो रहे थे। इस बीच चोरों ने घर में रखे बाक्स का ताला तोड़कर बारह हजार नकदी तथा सोने चांदी के कीमती जेवरत चोरी कर ले गये। घटना की अगली सुबह पीड़िता ने घर के भीतर चोरी का नजारा देखा तो आवाक रह गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मंगलवार की रात अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल का कहना है कि केस दर्ज किया गया है, शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

चोरों ने बारह हजार नकदी समेत आभूषण उड़ाये

लालगंज, प्रतापगढ़।

अज्ञात चोरों ने घर के अंदर घुसकर हजारों की नकदी तथा सोने चांदी के कीमती जेवरत चोरी कर ले गये। घटना की अगली सुबह पीड़िता ने घर के भीतर चोरी का नजारा देखा तो आवाक रह गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मंगलवार की रात अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल का कहना है कि केस दर्ज किया गया है, शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

वेतन न मिलने से नाराज स्वास्थ्य कर्मी, काम छोड़ने की धमकी दी

चार महीने से आउट सोर्सिंग स्टाफ को नहीं मिली पगार, सीएमओ ने कार्यदायी संस्था पर डाली वेतन की जिम्मेदारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राजा प्रताप बहादुर पुरुष अस्पताल में आउटसोर्सिंग पर रखे गए कर्मचारियों को चार महीने से वेतन नहीं मिला है। जिससे उनके समक्ष भूखों मरने की नौबत आ गई है। बुधवार को उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से मिलकर वेतन न मिलने पर नौकरी छोड़ने की धमकी दी।



मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से मिलते स्वास्थ्य कर्मी।

जानकारी के अनुसार ग्लोबल नामक एजेंसी के द्वारा इन कर्मचारियों की भर्ती हुई है। कर्मचारी आनंद ने बताया कि चार महीने से किसी स्टाफ को वेतन नहीं मिला है। इसके बाद भी काम

दबंगों ने महिलाओं की जमकर पिटाई

प्रतापगढ़। मनगढ़ गांव में दबंगों ने जमीनी विवाद को लेकर महिलाओं की जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित महिला रूपम श्रीवास्तव का आरोप है कि उसके साथ दबंगों ने मारपीट की तथा जमीन में लिटाकर पीटा। साथ ही छेड़खानी भी की गई। इस दौरान महिलाओं ने थाने में पहुंचकर नामजद तहरीर भी दी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बराबर कर रहे हैं। वेतन न मिलने से उनके सामने बाल बच्चों के पालन पोषण की समस्या खड़ी हो गई है। एजेंसी वाले भुगतान नहीं कर रहे हैं। ठेकेदार चोरी चुपके आता है चला जाता है। वह कर्मचारियों से नहीं मिलता है। उन लोगों ने सीएमएस डाक्टर सुरेश सिंह को समस्या बताई। उन्होंने उसी समय ग्लोबल एजेंसी वाले को फोन किया। लेकिन उठा नहीं। इस बारे में सीएमओ डाक्टर एके श्रीवास्तव का कहना है कि एजेंसी वाले ही कर्मचारियों का भुगतान कराएंगे। उनका या सीएमएस का इसमें कोई रोल नहीं है। सारी जिम्मेदारी एजेंसी की है।

मृत्युञ्जय महावतार बाबाजी वटवृक्ष का महत्व



मृत्युञ्जय महावतार बाबाजी वटवृक्ष के आध्यात्मिक आभामंडल में क्रियायोग ध्यान से दूर हो जाती हैं शरीरिक बीमारियां व मानसिक चिन्तायें



सेवारत क्रियायोग आश्रम

● मां गंगा के पावन तट पर सेवारत क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी के आध्यात्मिक परिसर में भी दो दिव्य वटवृक्ष स्थित हैं

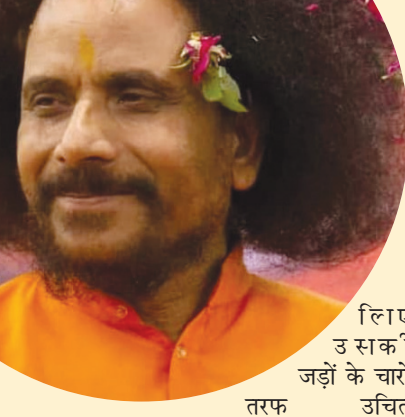
● इस वट वृक्ष के प्रांगण में क्रियायोग ध्यान मात्र से ही सभी बीमारियों से मुक्ति मिल जाती है ऐसा यहां आए हुए देश व विदेश के साधकों का कहना है

अनूप मिश्रा
प्रयागराज। प्रयागराज के झूंसी क्षेत्र में गंगा, यमुना, सरस्वती त्रिवेणी संगम तट पर स्थित सेवारत क्रियायोग आश्रम के आभा मंडल में स्थित वटवृक्ष जो लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, लोगों का मानना है कि विशालकाय आध्यात्मिक वटवृक्ष के नीचे बैठ कर मृत्युञ्जय श्री श्री महावतार बाबाजी ने सन्- 1894 में आयोजित कुंभ के दौरान ज्ञानावतार स्वामी श्री युक्तेश्वर गिरी को प्रथम दर्शन देकर उन्हें स्वामी की उपाधि से विभूषित किया था और इसी समय सनातन धर्म और बाइबिल में निहित धर्म में एकता को दर्शाते हुए एक आध्यात्मिक सद ग्रंथ लिखने का निर्देश दिया जो कैवल्य दर्शन (दि होली साइंस) के नाम से प्रसिद्ध है। इसी पावन स्थल पर वटवृक्ष



के परम पूज्य स्वामी श्री योगी सत्यम-जी भी निरंतर क्रियायोग की शिक्षा दे रहे हैं। यह अवगत कराना आवश्यक है कि प्रयागराज में कई वटवृक्ष हैं जिनमें से संगम क्षेत्र में किले के अंदर अक्षय वट है तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रांगण में भी वटवृक्ष स्थित है। इसके अतिरिक्त मां गंगा के पावन तट पर सेवारत क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी के आध्यात्मिक परिसर में भी दो दिव्य वटवृक्ष स्थित हैं। इस वट वृक्ष के प्रांगण में क्रियायोग ध्यान मात्र से ही सभी बीमारियों से मुक्ति मिल जाती है ऐसा यहां आए हुए देश व विदेश के साधकों का कहना है। जहां

स्थापना: क्रियायोग के ज्ञान को जनमानस में प्रसारित करने के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने सन्- 1983 में क्रियायोग संस्थान की स्थापना किया उस समय वट वृक्ष का स्वरूप जीर्ण-शीर्ण अवस्था में था। जिसकी पत्तियां व टहनियां लोग काटकर जानवरों को खिलाया करते थे जिससे वटवृक्ष काफी जीर्ण-शीर्ण स्थिति में हो गया था। क्रियायोग आश्रम के संरक्षण में वटवृक्ष की सेवा प्रारंभ की गई उसके स्वरूप को संरक्षित करने के



लिए उसकी जड़ों के चारों तरफ

प्राकृतिक रोकथाम करते हुए मिट्टी पाटी गई वटवृक्ष की पत्तियों व टहनियों को न तोड़ा जाए इसके लिए उचित व्यवस्था की गई। आसपास स्थित कमरों को हटाया गया जिससे वट वृक्ष को हवा पानी व प्रकाश आदि मिल सके और उसका विकास हो सके। वट वृक्ष के विकास के लिए आश्रम के द्वारा फव्वारे की व्यवस्था की गई जिससे उसकी पत्तियों और टहनियों को आसानी से पानी दिया जा सके। धीरे धीरे वट वृक्ष का विकास होने लगा और वर्तमान समय में उसका स्वरूप दिव्य है।

दान, दक्षिणा, आरती चढ़ावा की प्रचलित परम्परा से दूर रहता है आश्रम: क्रियायोग आश्रम की स्थापना के समय से ही क्रियायोग आश्रम प्रांगण में स्थित पावन वटवृक्ष के नीचे प्रतिदिन कई बार क्रियायोग ध्यान की कक्षाओं का आयोजन होता है। क्रियायोग आश्रम के प्रभाव से आज प्रयागराज में वर्ष भर भारत के विभिन्न देशों के साथ-साथ अमेरिका, कनाडा, यूरोप, सिंगापुर, ब्राजील आदि देशों के लोग आकर रहते हैं। यह विश्व की पहली आध्यात्मिक संस्था है जो स्थापना के प्रथम दिन से आज तक पूर्णतया निशुल्क सेवाएं प्रदान कर रही है यहां पर आरती चढ़ावा दान दक्षिणा आदि के नाम पर किसी भी प्रकार धन एकत्रित नहीं किया जाता है। क्रियायोग

को समझने वाले स्वेच्छा से अनुदान देते हैं। **क्रियायोग ध्यान षटचक्र भेदन की क्रिया:** क्रियायोग ध्यान षटचक्र भेदन है। षटचक्र के जागरण पर मनुष्यकी सभी शारीरिक व मानसिक बीमारियां समाप्त हो जाती है तथा अंतःकरण में सुसुप्त आध्यात्मिक ज्ञान का जागरण हो जाता है। यह भी सिद्ध एवं प्रमाणित हो गया है कि प्रिया योग के भक्ति पूर्वक अभ्यास से सभी प्रकार की सुविधाएं स्वतः प्राप्त हो जाती है। क्रियायोग के प्रभाव से आकर्षित होकर अमेरिका ने स्वामी श्री योगी सत्यम-जी को उच्चतम सम्मानित वीजा ओ

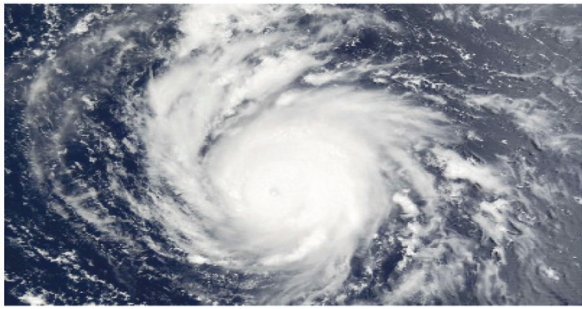
-वन (ड-1) प्रदान किया तथा कनाडा में स्वामी जी के द्वारा डॉक्टरों ने 40 एकड़ का आश्रम बना कर दान के स्वरूप में प्रदान किया है। **क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान का लक्ष्य घर-घर में जले क्रियायोग का दीप:** क्रियायोग आश्रम का एकमात्र लक्ष्य है कि क्रियायोग का दीप घर-घर में जलाकर सभी के अंदर प्रवाहित जीवनधारा को ईश्वरोन्मुखी करना जिससे दैहिक दैविक और भौतिक तपो का समापन हो सके। मृत्युञ्जय अमर गुरु श्री महावतार बाबाजी की भविष्यवाणी है कि क्रियायोग का विश्वव्यापी प्रसार संपूर्ण विश्व को एक सूत्र में बांधेगा और रोग निवारक मंत्र के रूप में प्रतिष्ठित होगा।



विदेश संदेश

मैक्सिको में तूफान 'अगाथा' का कहर, 10 लोगों की मौत, 20 लापता

सैन इसिद्रो डेल पालमार (मैक्सिको)। दक्षिणी मैक्सिको में तूफान 'अगाथा' के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन के चलते कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य लोग अब भी लापता



दक्षिणी शहर ओक्सकाका के गवर्नर ने यह जानकारी दी। ओक्सकाका के गवर्नर एलेजांद्रो मूरान ने बताया कि बाढ़ के कारण कई मकान बह गए, जबकि कई लोग दलदल और चट्टानों के मलबे में दब गए। मूरान ने स्थानीय मीडिया से कहा, "लोगों की मौत बाढ़ और भूस्खलन होने के कारण हुई।" उन्होंने बताया कि जान गंवाने वाले अधिकतर लोग पहाड़ी इलाकों के कई छोटे शहरों से थे, जबकि हुआतुल्को के रिजार्त के पास तीन बच्चों के लापता होने की खबर भी है। 'अगाथा' के प्रभाव के चलते 105 किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार से हवाएं चलीं। हालांकि, अब वह कमजोर पड़ गया और मंगलवार को वेराक्रूज़ राज्य की ओर बढ़ गया।

ज्यादा तनाव से कोविड, इन्फ्लूएंजा से शरीर के लड़ने की क्षमता हो सकती है प्रभावित

वाशिंगटन। ज्यादा तनाव की वजह से कई तरह के संक्रमण खास कर कोविड-19 से लड़ने में शरीर की क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है और मृत्यु की आशंका भी बढ़ जाती है। चूहों पर किए गए एक अध्ययन में यह परिणाम सामने आया है।

शोध पत्रिका 'नेचर' में सोमवार को प्रकाशित अध्ययन में यह दिखाया गया है कि ज्यादा तनाव के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण या इन्फ्लूएंजा के दौरान मस्तिष्क का कौन सा हिस्सा शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को नियंत्रित करता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ज्यादा तनाव की वजह से पारावैट्रीकुलर हाइपोथैलामस नामक क्षेत्र के न्यूरोन तुरंत हकत में आते हैं और श्वेत रक्त कोशिकाएं या ल्यूकोसाइट्स का लिम्फ नोड्स से रक्त और अस्थि मज्जा तक प्रवाह बढ़ जाता है।

इसके घटने से कोविड संक्रमण और इन्फ्लूएंजा की स्थिति में शरीर संक्रमण से लड़ने में कमजोर हो जाता है तथा जटिलताएं और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। आइकन स्कूल ऑफ मेडिसिन, माउंट सिनाई, अमेरिका के फिलिप के स्विस्की ने कहा, "इस शोध कार्य से हमें पता चला कि तनाव का हमारे प्रतिरक्षा तंत्र और संक्रमण से लड़ने की हमारी क्षमता पर बड़ा असर पड़ता है।" स्विस्की ने एक बयान में कहा, "यह दिखाता है कि किस तरह सामाजिक आर्थिक कारक, जीवन शैली और वातावरण नियंत्रित करें ताकि हमारा शरीर संक्रमण के खिलाफ बचाव कर पाए।" मस्तिष्क को प्रतिरक्षा प्रणाली से जोड़ने वाली खोज इस बात की बेहतर समझ प्रदान करती है कि तनाव वायरस के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया को कैसे प्रभावित करता है और क्यों कुछ लोग गंभीर बीमारी और बदतर परिणामों के लिए अतिसंवेदनशील हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने शांतचित्त और तनाव के शिकार कुछ चूहों पर अध्ययन किया और उनके प्रतिरक्षा तंत्र का विश्लेषण किया। अध्ययन के दौरान देखा गया कि तनाव के शिकार चूहों की प्रतिरक्षा में बड़ा बदलाव आया। शोधकर्ता यह देखना चाहते थे कि तनाव के दौरान शरीर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक प्रतिरक्षा कोशिकाओं का प्रवाह किस तरह होता है। कोविड, इन्फ्लूएंजा से संक्रमित चूहों पर भी इसका अध्ययन किया गया। अध्ययन में पाया गया कि संक्रमित चूहे कमजोर हो गए और उनकी प्रतिरक्षा भी घट गई तथा मृत्यु का खतरा बढ़ गया।

चीन का दावा, वह अभी भी भारत का शीर्ष व्यापार भागीदार

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को दावा किया है कि वह अपने आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में अभी भी भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। इसने अमेरिका के शीर्ष व्यापार भागीदार होने की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि इसका कारण भारत और चीन की व्यापार मात्रा की गणना के लिये अपनाये गये विभिन्न तरीकों में 'अंतर' का होना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिंजियान ने संवादाओं से कहा कि चीनी सक्षम प्राधिकरणों के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में चीन और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार 125.66 अरब डॉलर का रहा। उनसे 2021-22 में अमेरिका द्वारा चीन को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार बनने की रिपोर्ट के बारे में पूछा गया था।

ब्रिटेन में मंकीपॉक्स से बचने के लिए नये दिशानिर्देश, संक्रमितों को दूरी बनाने की सलाह

लंदन। ब्रिटेन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को ताजा दिशानिर्देशों में कहा कि जिस किसी व्यक्ति में लक्षण दिखाई दे रहे हैं, उसे संबंध बनाने से दूर रहना चाहिए ताकि मंकीपॉक्स के संक्रमण पर रोक लगाई जा सके। इसमें एहतियात के तौर पर संक्रमण के बाद आठ सप्ताह तक कंडोम का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

देश में इस हफ्ते इस संक्रमण के 71 नये मामले मिलने के बाद ब्रिटेन स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) ने स्कॉटलैंड, उत्तरी आयरलैंड और वेल्स के प्रशासन के साथ मिलकर यह दिशानिर्देश जारी किया है।

ब्रिटेन में मंकीपॉक्स से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 179 हो गई है। दिशानिर्देश में मंकीपॉक्स वाले लोगों से आग्रह किया गया है कि जब तक उनके घाव ठीक न हो जाएं, तब तक वे दूसरों के साथ निकट संपर्क में आने से बचें।

Ukraine Russia War: जो बाइडेन का बड़ा एलान, यूक्रेन को 'उन्नत राकेट सिस्टम' देगा अमेरिका

Ukraine Russia War यूक्रेन-रूस के बीच एक महीने से भी अधिक समय से जंग जारी है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंगलवार को बड़ा एलान किया। बाइडेन ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन को उन्नत राकेट सिस्टम प्रदान करेगा।

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग के बीच मंगलवार को बड़ा एलान किया। बाइडेन ने मंगलवार को कहा कि

अमेरिका यूक्रेन को प्रमुख लक्ष्यों पर हमला करने के लिए उन्नत राकेट सिस्टम प्रदान करेगा। सीएनएन ने बताया कि न्यूयॉर्क टाइम्स के एक ऑफ-एड में लिखते हुए बाइडेन ने कहा कि अमेरिकी लक्ष्य एक लोकतांत्रिक, स्वतंत्र, संप्रभु और समृद्ध यूक्रेन को आगे की आक्रामकता के खिलाफ खुद को रोकने और बचाव करने के साधनों के साथ देवना है। उन्होंने कहा कि हथियारों की नई खेप यूक्रेन में युद्ध के मैदान पर महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर अधिक सटीक प्रहार करने में सक्षम होगी।

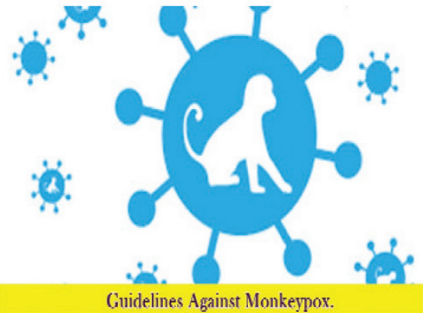
इस बीच, प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका बुधवार (स्थानीय समय) को यूक्रेन के

पाक और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने यूक्रेन, अफगानिस्तान तथा व्यापार पर की चर्चा

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोРИस जॉनसन ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष शहबाज शरीफ से द्विपक्षीय व्यापार और रूस-यूक्रेन युद्ध सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की है। शरीफ के पिछले महीने प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार दोनों नेताओं की बातचीत हुई। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत सोमवार शाम को हुई जो क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर केंद्रित रही।

पाकिस्तान में ब्रिटेन के नये व्यापार दूत की भूमिका के संबंध में भी दोनों प्रधानमंत्रियों ने चर्चा की। जॉनसन ने काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद अफगान लोगों को ब्रिटेन भेजने में मदद के लिए पाकिस्तान को धन्यवाद दिया।

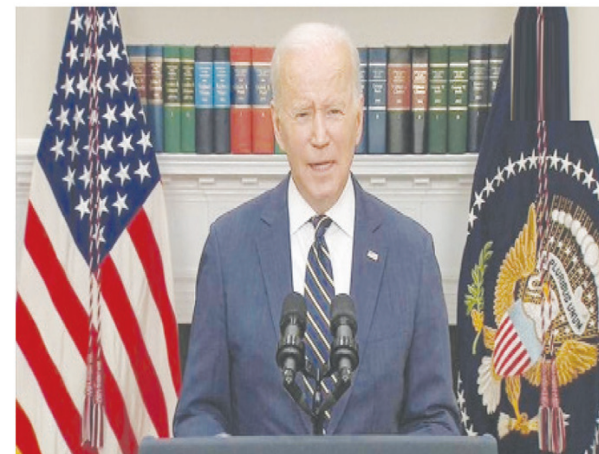
डाउनिंग स्ट्रीट के एक प्रवक्ता के अनुसार दोनों नेता पिछले 75 साल के संबंधों को और मजबूत बनाने और व्यापार तथा निवेश को बढ़ावा देने पर सहमत हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शरीफ ने यूक्रेन में संकट को दूर करने के लिए ब्रिटेन के प्रयासों की सराहना की। बाद में शरीफ ने ट्वीट किया, "धन्यवाद प्रधानमंत्री। हमारे उत्कृष्ट द्विपक्षीय संबंधों को परिभाषित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर आपसे बातचीत कर मुझे बहुत अच्छा लगा।" उन्होंने लिखा, "मेरी सरकार व्यापार, वाणिज्य, संस्कृति, निवेश और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नये सहयोग के जरिये ब्रिटेन के साथ अपने संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की इच्छुक है।"



Guidelines Against Monkeypox.

वेल्स में जन स्वास्थ्य संरक्षण निदेशक, भारतीय मूल के डॉ गिरि शंकर ने कहा, "हम लोगों को आश्वस्त कर रहे हैं कि आम तौर पर मंकीपॉक्स आसानी से नहीं फैलता है, इसलिए आम जनता को इससे कम खतरा है।"

'जांच' में जिन लोगों के मंकीपॉक्स वायरस



लिए 11 वें सुरक्षा सहायता पैकेज का अनावरण करेगा, जिसमें हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम (HIMARS) शामिल होगा। यूक्रेन को 700 मिलियन

अमेरिकी डॉलर का पैकेज एक अधिकारी ने बताया, कल हम राष्ट्रपति के ड्राइवअन अथॉरिटी के तहत सुरक्षा सहायता के 11 वें पैकेज की घोषणा करेंगे।

चीन में एक व्यक्ति ने तोड़ा प्रोटेक्टॉल तो 5000 लोग कारंटीन, इन देशों में भी भय बरकरार

विदेश। चीन में कोरोना संक्रमित एक व्यक्ति द्वारा नियमों का उल्लंघन करने की सजा पांच हजार लोगों को मिली है। बीजिंग में एक 40 वर्षीय व्यक्ति संक्रमित होने के बाद भी निर्देशों का उल्लंघन करता रहा। इसका नतीजा ये है कि प्रशासन ने अब उसके घर के आसपास रहने वाले पांच हजार लोगों को सुरक्षा के लिहाज से क्वारंटीन कर दिया है। वहीं व्यक्ति के 258 पड़ोसियों को सरकारी क्वारंटीन केंद्र भेज दिया गया है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अधिकारियों के अनुसार व्यक्ति के ऊपर आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार 23 मई को ये व्यक्ति शॉपिंग मार्ट में घुस गया था जहां से संक्रमण के फैलने की संभावना जताई जा रही थी। ऐहतियात के तौर पर प्रशासन ने उसे



खुद को आइसोलेट रहने का आदेश दिया गया था। इसके बावजूद भी वो घूमता रहा। पांच दिन बाद व्यक्ति के साथ उसकी पत्नी में भी कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। इसी के बाद प्रशासन ने व्यक्ति के घर के आसपास रहने वाले लोगों को क्वारंटीन कर दिया है।

दुनिया के दूसरे देशों में

लोगों को यात्रा शुरू करने से पहले कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट जरूरी है। पूर्ण टीकाकरण का प्रमाण पत्र अनिवार्य टीका न लगवाने वाले जो लोग फ्रांस जा रहे हैं उनकी एयरपोर्ट पर ही जांच हो रही है।

जापान: मोबाइल में माईएसओएस अनिवार्य है। एप से जापान की सरकार व्यक्ति की लोकेशन, उसके स्वास्थ्य की स्थिति जैसी सामान्य जानकारी के निगरानी की जाती है।

विदेश से आने पर निगेटिव रिपोर्ट जरूरी जो 72 घंटे से पुरानी नहीं होनी चाहिए।

ब्रिटेन: टीकाकरण जरूरी है। दफ्तरो में बैठक खुले स्थान या हवादार जगह पर करने का निर्देश है। भीड़भाड़ वाले स्थान पर मास्क पहनने की सलाह दी गई है। लक्षण आने पर खुद को क्वारंटीन करने और एनएचएस को सूचना देने का निर्देश है।

Brazil Death Toll: भारी बारिश और भूस्खलन से ब्राजील का बुरा हाल, मरने वालों की संख्या हुई 100

रियो डी जनेरियो। ब्राजील में लगातार भारी बारिश और भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। भीषण बारिश और भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पूर्वोत्तर ब्राजील के राज्य पारनाम्बुको में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या बढ़कर 100 हो गई है। राज्य की राजधानी रिसिफ और इसके महानगरीय क्षेत्र में कार्यरत, बचाव दल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट्स के अनुसार, कम से कम 16 लोग अभी भी लापता थे, खोजबीन के बाद पता चला उनमें से 14 भूस्खलन से दब गए थे और दो पानी की धाराओं में बह गए थे, जबकि 6,000 से अधिक निवासियों को उनके घरों से निकाल लिया गया था।

कई इलाकों में आपातकाल की स्थिति भारी बारिश जारी रहने के कारण मंगलवार को बचाव कार्य रुक-रुक कर करना पड़ा, जिससे क्षेत्र में नए भूस्खलन और बाढ़ आ सकती है। कम से कम 14 पार्नाम्बुको नगर पालिकाओं ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी, जबकि 33 ने पड़ोसी राज्य अलागोस में ऐसा ही किया, जहां



ब्राजील के पूर्वोत्तर इलाके पेरनाम्बुको में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण करीब 100 लोगों की मौत हो गयी और हजारों को मजबूरन अपना घर छोड़ना पड़ा। कम से कम 14 पार्नाम्बुको नगर पालिकाओं ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दिया गया है।

बारिश के परिणामस्वरूप तीन लोग मारे गए और 18,000 से अधिक लोगों को निकाला गया, जो पिछले सप्ताह शुरू हुआ और

बोल्लोनारो ने सोमवार को घोषणा की कि सरकार प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के लिए 1 बिलियन रियल (लगभग 210 मिलियन अमेरिकी डॉलर) आवंटित करेगी। वहीं राष्ट्रपति जायर बोल्लोनारो (पीएल) ने पीड़ितों और स्थानीय अधिकारियों के बचाव में सहायता के लिए टीमों को भेजने की घोषणा के बाद मंत्री बारिश से प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया था।

खतरों के साए में हजारों लोग

प्रांत के सिविल डिफेंस अधिकारी ने डिस्ट्रिक्ट पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि पेरनाम्बुको में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण करीब हजारों लोगों को मजबूरन अपना घर छोड़ना पड़ा है।

विस्थापितों को लिए स्कूलों में आसरा

भारी बारिश के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए लोगों को रिसिफ शहर में स्थित स्कूलों में ठहराया जा रहा है। वहीं, अलागोस राज्य सरकार ने भारी बारिश के कारण प्रभावित 33 नगर पालिकाओं में आपातकाल घोषित कर दिया है।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम एवम्

योग सत्संग समिति द्वारा

विपिन इण्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कटरा प्रयागराज

से मुद्रित एवम् क्रियायोग

आश्रम अनुसंधान संस्थान

झुंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश

211019 से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506

Email:-

akhandbharatsandesh@gmail.com

इस समाचार पत्र में प्रकाशित

समस्त समाचारों से सम्बंधित

विवादों का न्याय क्षेत्र

कौशाम्बी, प्रयागराज होगा।

नेपाल में टला विमान हादसा, उड़ान भरते ही लौटा बुद्ध एयरलाइंस का विमान

काठमांडू। नेपाल में चार दिन के भीतर दूसरा विमान हादसा होते-होते बचा। बुधवार को बुद्ध एयरलाइंस का विमान उड़ान भरते ही तकनीकी खराबी के कारण वापस लौट आया। इस कारण विमान हादसा टलने से नेपाल के विमानन अधिकारियों ने राहत की सांस ली। नेपाल में बीती 29 मई को तारा एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से 22 लोगों की मौत हो गयी थी। बुधवार को सुबह 10 बजकर 43 मिनट पर बुद्ध एयरलाइंस के एक विमान ने काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से भद्रपुर के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरते ही विमान के टायर में कुछ



के मुताबिक इस पूरे प्रकार की जांच के आदेश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि बीते रविवार को नेपाल के मुस्तांग जिले में तारा एयरलाइंस के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद नेपाल सरकार ने उड़ानों के परिचालन के लिए नियमों को और सख्त कर दिया है। अब विमानन कंपनियों को उड़ान भरने से पहले इस बात पर भी गौर करना होगा कि पूरे रास्ते में मौसम साफ हो। अब तक नेपाल का उड़ान नियामक नेपाल नागरिक विमानन प्राधिकरण उड़ान शुरू होने के स्थान और गंतव्य पर मौसम साफ होने पर उड़ान भरने की अनुमति देता था। अब उड़ान के पूरे रास्ते के मौसम पर भी गौर किया जाएगा।

समस्या सामने आने के बाद विमान को वापस काठमांडू में उतार दिया गया। बुद्ध एयरलाइंस ने ट्वीट कर जानकारी दी कि विमान में 69 यात्री सवार थे। सभी यात्रियों को दूसरे विमान में स्थानांतरित कर उन्हें भद्रपुर के लिए रवाना किया गया। काठमांडू के विमानन अधिकारी